BSES

सावधान! मीटर छेड़छाड़ के झूठे मामले में ठग बना रहे हैं महिलाओं को निशाना

पश्चिम विहारः ठगों ने तब दस्तक दी, जब घर में थीं सिर्फ महिलाएं

नई दिल्ली, **16** अगस्त, **2007**। बीएसईएस के नाम पर ठगी करने वाले गिरोहों ने अब महिलाओं को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। अब वे मीटर चेकिंग के नाम पर घरों में तब जाते हैं, जब उन्हें लगता है कि इस वक्त कोई पुरूष सदस्य घर में नहीं होगा। इसके बाद महिलाओं को बीएसईएस के फर्जी आईकार्ड व कागजात दिखाकर, मीटर से छेड़छाड़ के मामले में डराकर उनसे भारी रकम ऐंठने की कोशिश करते हैं।

ऐसा ही एक मामला पश्चिम विहार के बी ब्लॉक में सामने आया है। ठगों ने एक घर को उस वक्त टारगेट किया, जब घर में कोई पुरूष सदस्य नहीं था। दोनों भाई काम पर गए थे और उनकी पत्नियां घरों में थीं। ठगों ने उन्हे अपना फर्जी बीएसईएस आई कार्ड, स्टेशनरी, आवेदन पत्र आदि दिखाकर कहा कि घर वालों ने बिजली मीटर के साथ छेड़छाड़ की है और उन पर भरी जुर्माना किया जाएगा। ठगों ने महिलाओं से कहा कि वे अपने पतियों को बुलाएं और **50,000** रूपये में मामले को रफा–दफा करवा लें।

महिलाओं ने अपने पतियों को फोन कर घर बुलाया। उनके पतियों ने ठगों से आई कार्ड दिखाने को कहा। बिना देर किए ठगों ने उन्हें आई कार्ड दिखा दिया। आई कार्ड पर बीएसईएस का लोगो तो था, लेकिन उन पर मौजूद हस्ताक्षर जाली मालूम पड़ रहे थे। महिलाओं के पतियों ने तुरंत बीएसईएस को सूचित किया और बीएसईएस प्रतिनिधियों के वहां आने तक ठगों को पकड़कर रखने की कोशिश की, लेकिन वे दोनों ठग वहां से भागने में कामयाब हो गए। वैसे, उनका बैग वहीं रह गया, जिसमें चोरी की हुई, मीटर जांच करने वाली एक मशीन मिली। साथ ही, बीएसईएस के जाली बिल, आवेदन पत्र, एन्फोर्समेंट बिल आदि भी मिले। इस मामले में दोनों उपभोक्ताओं ने ठगों के खिलाफ अलग–अलग मामले दर्ज कराए हैं। जांच चल रही है।

बदरपुरः ठगों ने कहा– कंपनी ने घर से बिल वसूलने की नई सेवा शुरू की, **40,000** ठगे

बदरपुर में ठगों ने उपभोक्ता से बिजली चोरी के नाम पर **32** हजार रूपये ठग लिए। और फिर उसी उपभोक्ता को नया कनेक्शन देने के नाम पर उससे **7, 200** रूपये और ऐंठ लिए। हालांकि उपभोक्ता बिजली चोरी में फंसा हुआ था, लेकिन जुर्माने का भुगतान उसने कंपनी को न कर, ठगों को कर दिया।

मामला तब सामने आया, जब उपभोक्ता बीएसईएस के ऑफिस में यह जानने पहुंचा कि उसके नए कनेक्शन के मामले में क्या प्रगति है। वहां उपभोक्ता ने अपनी रसीद दिखाई, तो बीएसईएस कर्मचारी को लगा कि उस पर किए गए दस्तखत जाली हैं और उसने अपने सीनियर अधिकारियों को इस बारे में सूचित किया।

पूछताछ के दौरान उपभोक्ता ने बताया कि कुछ लोग उसके पास आए थे और कहा था कि बीएसईएस ने एक नई सेवा शुरू की है, जिसके तहत उपभोक्ता के घर जाकर कंपनी के लोग रकम वसूल रहे हैं। उपभोक्ता ने ठगों को **40,000** रूपये का भुगतान किया था।

रसीद जाली है, कैसे पता चलाः

- बीएएईएस का लोगो कई रंगों में छपा था, फॉन्ट्स में भी समनता नहीं थी।
- एन्फोर्समेंट बिल पर गलत तरीके से के नंबर छपा था। हालांकि उपभोक्ता के पास मीटर नहीं था, और वह बिजली की सीधी चोरी में पकड़ा गया था, लेकिन बिल पर मीटर का के नंबर छपा था।
- असली रसीद पर लिखा होता है, डीईआरसी के निर्देशों के मुताबिक **4000** से अधिक की रकम का भुगतान केवल चेक/डीडी से किया जाए, जबकि इस नकली रसीद पर **4000** रूपयेकी जगह, **3200** रूपये लिखा हुआ था।
- डिसकनेक्शन को लिखा गया था– डिश कनेक्ट मीटर।

बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं से अपील करती है कि ऐसे तत्व, जो कि कंपनी की छवि खराब कर, उपभोक्ताओं से पैसे ठग रहे हैं, वे उनकी धमकी या झूठे आश्वासन में न आएं। किसी को भी घर पर कोई पैसा न दें, चाहे कारण कुछ भी हो। एन्फोर्समेंट से संबंधित कोई भी भुगतान बीएसईएस ऑफिसों में ही लिया जाता है।

उपभोक्ताओं को यह भी सलाह दी जा रही है कि कोई भी उनका मीटर चेक करने आए, वे सबसे पहले उससे आई कार्ड की मांग करें और यदि शक हो, तो तुरंत **39999 888** और **39999 777** पर कॉल करें।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– **39999870/ 9312007822**

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– **39999088/ 9350130304**